सरस्वती माता की आरती

जय सरस्वती माता ,जय जय हे सरस्वती माता।
दुर्गुण वैभव शालिनी ,त्रिभुवन विख्याता॥

चंद्रवदनि पदमासिनी , घुति मंगलकारी।
सोहें शुभ हंस सवारी,अतुल तेजधारी ॥

बायेँ कर में वीणा ,दायें कर में माला।
शीश मुकुट मणी सोहें ,गल मोतियन माला ॥

देवी शरण जो आयें ,उनका उद्धार किया।
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनी , ज्ञान प्रकाश भरो।
मोह और अज्ञान तिमिर का जग से नाश करो ॥

धुप ,दिप फल मेवा माँ स्वीकार करो।
ज्ञानचक्षु दे माता , भव से उद्धार करो ॥

माँ सरस्वती जी की आरती जो कोई नर गावें।
हितकारी ,सुखकारी ग्यान भक्ती पावें ॥

सरसवती माता ,जय जय हे सरसवती माता।
सदगुण वैभव शालिनी ,त्रिभुवन विख्याता॥

माता सरस्वती की जय

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com